राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 445
मास्टर ब्लास्टर
सुपर कमांडो ध्रुव

इस दुनिया का जन्म ही ब्रह्मांड के सबसे बड़े विस्फोट से हुआ है। बिग बैंग! एक विस्फोट से ही ब्रह्मांड का जन्म हुआ, इसीलिए विस्फोट इस पृथ्वी के भी कण-कण में समाया हुआ है। लेकिन इस विस्फोट को वही नियंत्रित कर सकता है जो विस्फोटों की बारीकी को पूरी तरह से समझता हो। जो हो...

मास्टर ब्लास्टर

सुपर कमांडो ध्रुव

संजय गुप्ता की पेशकश

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंगः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

© RAJA POCKET BOOKS

आज के दिन में सत्ता, जनता की सेवा के बजाय पैसे कमाने का एक जरिया बनकर रह गई है! इसीलिए जितनी ऊंची कुर्सी होती है, उसकी कीमत भी उतनी ही ज्यादा होती है-
और उस पर बैठने वाले के सिर पर उतना ही ज्यादा खतरा भी मंडराता है-
इस शहर के विकास के लिए विश्व बैंक ने दो सौ करोड़ रुपयों की सहायता भेज दी है! अब अगर यहां का ईमानदार मेयर अपने पद पर न रहा तो हमारे आदमियों को एक भी कांट्रेक्ट नहीं मिलेगा!
उसको हटाकर उसकी जगह पर अपना आदमी बैठाना बहुत जरूरी है!
आदमी को हटाना हमारा काम है, और बैठाना तुम्हारा!
जाओ अपने आदमी को मेयर की कुर्सी पर बैठाने की तैयारी शुरू कर दो!
मास्टर ब्लास्टर तुम्हारा रास्ता साफ कर देगा!
और हां, जाते-जाते मेरे आदमी को एक करोड़ से भरा सूटकेस थमाना मत भूलना!
इस काम के लिए किसको भेजना है मास्टर?
लांचर को भेज दूं?
नहीं! वह हमारे एटामिक बम के प्रोजेक्ट के लिए सामान का इंतजाम कर रहा है!
यह मामूली काम ग्रेनेड कर देगा! बुलाओ उसे!

राजनगर महापालिका के मेयर शांतिदास सिर्फ ईमानदारी का उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उसको खुद अमल में भी लाते थे-
पापा, आज हम लेट हो गए हैं! साइकल से स्कूल पहुंचने में देर हो जाएगी! आप कार से हमारे स्कूल की तरफ ही जा रहे हैं! हमको स्कूल ड्रॉप कर दीजिए न!
नहीं, बच्चों! मैं सरकारी गाड़ी से सरकारी काम के लिए जा रहा हूं! तुमको स्कूल पहुंचाना मेरा व्यक्तिगत काम है। इसके लिए मैं सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल नहीं कर सकता! तुम लोग बस से स्कूल चले जाओ!
ओ, पापा! बसें भी कभी टाइम पर आती हैं क्या?
अब बोलने से क्या फायदा? पापा तो चले गए!
क्या बात है, दोस्तो? क्या गड़बड़ हो गई है?

ध्रुव भइया! आप यहां पर कैसे?
तुम्हारे पापा से मिलने आया था! लेकिन वो तो शायद चले गए हैं! पर तुम लोग बताओ! तुम लोगों की प्रॉब्लम क्या है?
हम स्कूल के लिए लेट हो गए हैं! और पापा सरकारी गाड़ी से हमको स्कूल छोड़ने नहीं गए!
ओ! तो चलो मैं तुमको स्कूल छोड़ देता हूं!
एक मोटर-साइकल पर चार सवारी!
तुम्हारा चालान हो जाएगा ध्रुव भइया!
डोंट वरी! मेरे पास स्पेशल परमीशन है!
तभी तो मैं हेलमेट भी नहीं पहनता!
ध्रुव भइया, तुम हेलमेट क्यों नहीं पहनते?
क्योंकि हेलमेट पहनने से मेरा देखने का एरिया सीमित हो जाता है! दाएं-बाएं देखने में थोड़ी मुश्किल होती है! और इस कारण मुझे अपराधियों के छक्के छुड़ाने में थोड़ी समस्या आ सकती है!
तो छक्के मत छुड़ाओ!
सिर्फ चौक्के से ही काम चला लो! ही ही ही!
और तेज चलाइए ध्रुव भइया!
हमको पापा की सरकारी कार को पीछे छोड़ना है!

ध्रुव अभी भी मेयर शांतिदास की कार से, पांच-मिनट के फासले पर था-
क्या हुआ दीना सिंह ?
सर, बस पांच मिनटों में हम उस साइट पर पहुंच जाएंगे जहां पर विश्व बैंक की मदद से बच्चों का एक आधुनिक अस्पताल बनने वाला है!
लेकिन मुझे शक है कि वहां पर आपको कोई दूसरा अधिकारी मिलेगा ! हर आदमी आपकी तरह समय पर पहुंचने वाला नहीं... अरे!
सड़क पर कोई घायल पड़ा है सर!
मैं अभी देखता हूं!
ये तो लगता है कि बेहोश हो गया है, सर !
इसको पास के अस्पताल में छोड़ना होगा! उठाओ इसको और गाड़ी में लिटाओ!
उठाने और लिटाने का काम तो मेरा है मेयर...
अक्!
... तेरा नहीं! आज तुझको इस दुनिया से उठाने और चिता पर लिटाने के लिए आया है...

ग्रेनेड!
धड़ाााम

तेरी ईमानदारी ही आज तेरी मौत बनेगी, मेयर!
बचाओ!
शांतिदास ने चट्टानों की आड़ में बचने की कोशिश तो करी-
लेकिन उसकी ये कोशिश सफल नहीं हो पाई-
ध्रुव को घटनास्थल पर पहुंचने में जरा सी देर हो गई थी-
पापा!
मेयर साहब घायल हो गए हैं, रोहित! तुम मेरे स्टार ट्रांसमीटर से कॉल करके एंबुलैंस बुलाओ!
और तब तक इनको यहां से दूर ले जाओ! मैं इससे निपटता हूं!

ध्रुव की मोटरसाइकल मेयर शांतिदास और ग्रेनेड के बीच में दीवार बनकर खड़ी हो गई-
हैलो! जल्दी एक एंबुलैंस भेजिए! पारकर रोड पर! मेयर साहब का एक्सीडेंट हो गया है!
अगर मरना नहीं चाहता है तो मेरा रास्ता छोड़ दे! अभी मेयर मरा नहीं है! मेरा कांट्रेक्ट अभी अधूरा है!
अगर अपने जीवन को अधूरा जीना नहीं चाहता है तो वापस लौट जा!
ध्रुव किसी की जान नहीं लेता!

लेकिन ग्रेनेड सिर्फ जान ही लेता है... मेयर की जान के पहले अब तेरी जान लूंगा मैं!

ओफ़! इसके बदन से तो फोड़े की तरह मांस के टुकड़े बढ़कर इसके शरीर से बाहर निकल रहे हैं और इसकी नसें उन मांस के टुकड़ों को पटक कर ग्रेनेड की तरह फोड़ रही हैं!
ये भला कैसे संभव है?
इस असंभव को मेरे मालिक ब्लास्टर ने संभव बनाया है! बायो केमिस्ट्री यानी जैव रासायनिक विज्ञान का मास्टर है वह!
उसकी मेहरबानी ने मुझे तबाही से भरा गोदाम बना दिया है! मेरे शरीर के अंदर ऐसी रासायनिक प्रक्रिया पैदा कर दी है, जिससे मेरे शरीर में विस्फोटक गांठे पैदा होने लगी हैं! और इनको निशाने तक पहुंचाने का काम करती हैं मेरी नसें!
तो मैं तुम्हारी नसों को उगते ही काट डालूंगा!
ऐसा करने से कोई खास फायदा नहीं होगा! बल्कि तेरे लिए और मुश्किल हो जाएगी!
क्योंकि ये विस्फोटक लोथड़े अब गेंद की तरह इधर-उधर उछलेंगे...

और ये कब और कहां फटेंगे ये न तो क्या, मैं भी नहीं बता सकता!
आऽऽऽह!
इसकी नसें काटने वाला आइडिया खतरनाक है!
इसको काबू में करने के लिए कोई और तरीका सोचना पड़ेगा!
इसको बेहोश करना पड़ेगा, और यह काम इसका ध्यान बंटाने के बाद ही किया जा सकता है! इसका ध्यान बंटाने के लिए मुझको स्टार ब्लेड्स की मदद से इसके शरीर पर ऐसे घाव लगाने होंगे जो इसको दर्द से बेहाल कर दें!
और मुझको इसके पास पहुंचकर इस पर वार करने का मौका मिल जाए!

लेकिन सिर्फ एक घूंसा इसको बेहोश करने के लिए काफी नहीं है! एक जोरदार वार और करना होगा. ओsss ह!
वार करने जा रहे ध्रुव को एकाएक पीछे हट जाना पड़ा-
फटाक
फट्ट
ओफ्! बाल-बाल बचा! अभी मेरे स्टार ब्लेड्स मुझको ही काटकर खत्म कर देते.
क्योंकि ग्रेनेड के शरीर में धंसे हुए ध्रुव के स्टार ब्लेड्स, एक धमाके के साथ, ग्रेनेड के शरीर से बाहर निकलकर ध्रुव की तरफ लपक रहे थे-
ये दुश्मन मेरे वारों को आराम से काटता जा रहा है! जल्दी ही कोई तरीका सोचना होगा! वर्ना पहले ये मेरे चिथड़े उड़ाएगा और फिर मेयर साहब के!
तेरे चिथड़े तो बस उड़ने ही वाले हैं लड़के! ये विस्फोटक लोथड़े तेरे शरीर पर अब चिपकने ही आएंगे!

अब ये सिर्फ मुझसे मिलने वाले आदेश का इंतजार कर रहे हैं। जिसको पाते ही ये फट पड़ेंगे, और साथ में मेरा पूरा बदन चिथड़े हो जाएगा।
आऽऽऽह: पहला धमाका तो मुझे ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाया क्योंकि मेरे बूट के चमड़े ने मुझे बचा लिया। पर कोई भी दूसरा धमाका मेरे अंगों को मुझसे अलग कर देगा।
कुछ करना होगा. जल्दी ही कुछ करना होगा.

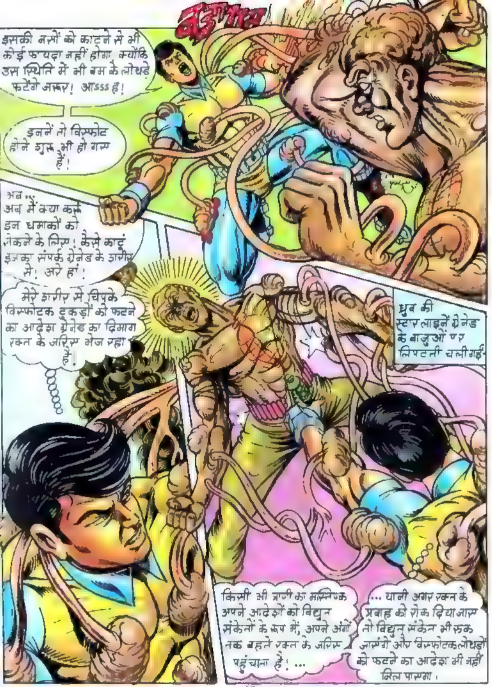
इसकी नसों को काटने से भी कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि उस स्थिति में भी बम के लोथड़े फटेंगे जरूर! आsss ह!
इनमें तो विस्फोट होने शुरू भी हो गए हैं!
अब... अब मैं क्या करूं इन धमाकों को रोकने के लिए! कैसे काटूं इनका संपर्क ग्रेनेड के शरीर से! अरे हां!
मेरे शरीर से चिपके विस्फोटक टुकड़ों को फटने का आदेश ग्रेनेड का दिमाग रक्त के जरिए भेज रहा है!
ध्रुव की स्टार लाइनें ग्रेनेड के बाजुओं पर लिपटती चली गईं।
किसी भी प्राणी का मस्तिष्क अपने आदेशों को विद्युत संकेतों के रूप में, अपने अंगों तक बहते रक्त के जरिए पहुंचाता है! ...
... यानी अगर रक्त के प्रवाह को रोक दिया जाए तो विद्युत संकेत भी रुक जाएंगे और विस्फोटक लोथड़ों को फटने का आदेश भी नहीं मिल पाएगा।

आऽऽऽह! इसकी रस्सी ने मेरे हाथों को जकड़ लिया है, मेरे दोनों बाजू सुन्न हो गए हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कि मेरे बाजू हैं ही नहीं!
इसके बाजुओं का रक्त संचार ठप्प पड़ गया है! और ऐसा होते ही मेरे शरीर पर चिपके विस्फोटक लोथड़े भी अलग हट रहे हैं! यही मौका है!...
... एक ही वार में इसको बेहोश करने का!
ग्रेनेड का दिमाग, अंधेरे में डूबता चला गया–

कमाल कर दिया तुमने, ध्रुव! कमाल कर दिया! तुमने इस शैतान को कितनी आसानी से बेहोश कर दिया! थैंक्यू, थैंक्यू!
ये लो अपना स्टार ट्रांसमीटर!
स्टार ट्रांसमीटर के लिए धन्यवाद! लेकिन आप हैं कौन और मेरा स्टार ट्रांसमीटर आपको कहां से मिला?
और आप मेरा शुक्रिया क्यों अदा कर रहे हैं?
मैं डाक्टर मूसा हूं! उसी अस्पताल में रिसर्च कर रहा हूं, जहां पर मेयर साहब के बच्चों ने उनको गंभीर हालत में भर्ती कराया है! उन्होंने ही स्टार ट्रांसमीटर को मुझे देकर तुम तक पहुंचने को कहा था! उनको लगा कि शायद तुमको इसकी जरूरत पड़ सकती है!
और रहा ये सवाल कि मैंने तुमको 'थैंक्यू' क्यों कहा, तो इसका कारण है ये शख्स! मैं ऐसे इंसानों पर शोध कर रहा हूं जिनके अंदर ज्वलनशील एवं विस्फोटक प्रवृत्तियां पाई जाती हैं!
इंसान का शरीर एक बहुत बड़ी और जटिल कैमिकल फैक्टरी है ध्रुव! वह जब चाहे अपने शरीर को बम में बदल सकता है! और जब चाहे आग में! मैं इसी का कारण पता करने की कोशिश कर रहा हूं!
और इस शोध कार्य में इस शख्स जैसे इंसान मेरे कई सवालों के जवाब दे सकते हैं!
AMBULANCE
अब इस सवाल जवाब को छोड़ो! मैं इसके होश में आने से पहले इसको अस्पताल पहुंचाना चाहता हूं!
चलिए मैं भी आपके साथ ही चलता हूं! मुझे भी मेयर साहब को देखने अस्पताल जाना है!

अस्पताल में-
अब मेयर साहब कैसे हैं, डॉक्टर?
अभी अड़तालिस घंटों तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता है ध्रुव! अभी तो मैं यही कहूंगा कि इनकी हालत गंभीर है।
ध्रुव भइया। पापा बच तो जाएंगे न! हमारी तो मां भी नहीं है। (सुबुक)
रो मत, पिंटू, तुम्हारे पापा के साथ सत्य का बल है, वे जरूर बचेंगे।
इस सत्य के बल के कारण ही आज वे इस हालत में हैं ध्रुव भइया! अगर पापा बेइमान होते तो उनकी ये हालत कभी न होती।
जिन्होंने पापा की ये हालत बनाई है मैं उनको छोडूंगा नहीं! कभी नहीं छोडूंगा।
नहीं रोहित! सच के रास्ते पर चलने वालों को ऐसी कठिन परिस्थितियों से जूझना ही पड़ता है। पर तुम देखना जीत आखिरकार सच्चे की ही होगी!
उनको जीत मैं दिलाऊंगा! उनको न्याय मैं दिलाऊंगा! उनका बेटा होने का फर्ज अदा करूंगा!
मैं इस काम में तुम्हारे साथ हूं रोहित।
मैं भी हूं भइया!
जोश में ऐसा कोई काम मत कर बैठना रोहित जिस पर बाद में तुमको भी पछताना हो और तुम्हारे पापा को भी, मैं बाद में आकर तुमसे बात करूंगा, अभी मैं डॉक्टर कुमार से मिलने जा रहा हूं!

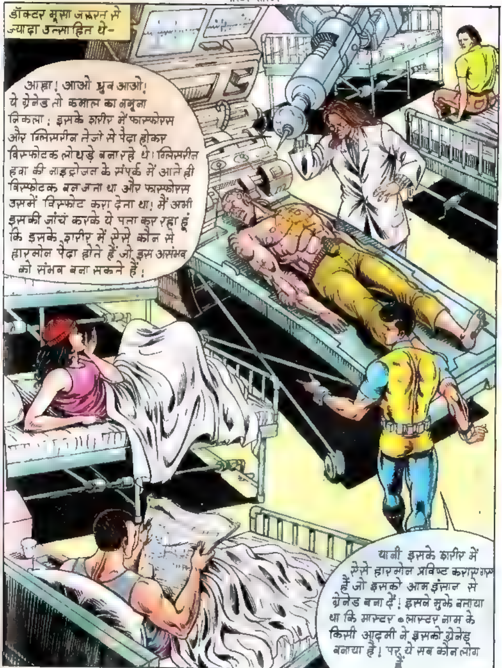
डॉक्टर मूसा जरूरत से ज्यादा उत्साहित थे-
आहा! आओ ध्रुव आओ! ये ग्रेनेड तो कमाल का नमूना निकला। इसके शरीर में फास्फोरस और ग्लिसरीन तेजी से पैदा होकर विस्फोटक लोथड़े बना रहे थे। ग्लिसरीन हवा की नाइट्रोजन के संपर्क में आते ही विस्फोटक बन जाता था और फास्फोरस उसमें विस्फोट करा देता था! मैं अभी इसकी जांच करके ये पता कर रहा हूं कि इसके शरीर में ऐसे कौन से हारमोन पैदा होते हैं जो इस असंभव को संभव बना सकते हैं।
यानी इसके शरीर में ऐसे हारमोन प्रविष्ट कराए गए हैं जो इसको आम इंसान से ग्रेनेड बना दें! इसने मुझे बताया था कि मास्टर ब्लास्टर नाम के किसी आदमी ने इसको ग्रेनेड बनाया है! पर ये सब कौन लोग हैं

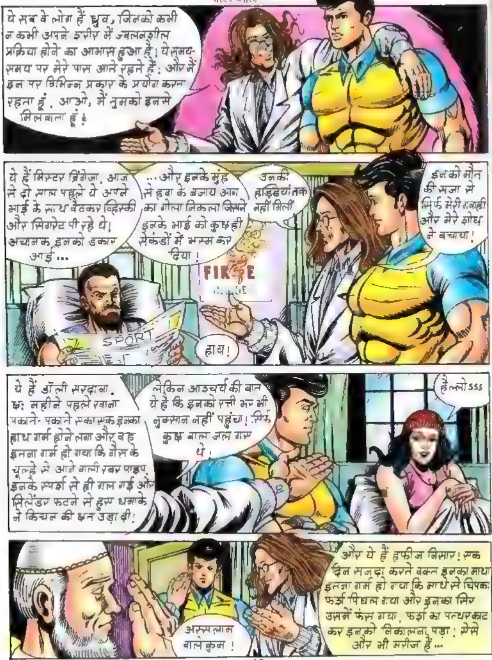
ये सब वे लोग हैं ध्रुव, जिनको कभी न कभी अपने शरीर में ज्वलनशील प्रक्रिया होने का आभास हुआ है। ये समय-समय पर मेरे पास आते रहते हैं; और मैं इन पर विभिन्न प्रकार के प्रयोग करता रहता हूं. आओ, मैं तुमको इनसे मिलवाता हूं!
ये हैं मिस्टर ब्रिगेंजा. आज से दो साल पहले ये अपने भाई के साथ बैठकर व्हिस्की और सिगरेट पी रहे थे! अचानक इनको डकार आई...
...और इनके मुंह से हवा के बजाय आग का गोला निकला जिसने इनके भाई को कुछ ही सेकंडों में भस्म कर दिया!
उनकी हड्डियां तक नहीं मिलीं
इनको मौत की सजा से सिर्फ मेरी गवाही और मेरे शोध ने बचाया!
हाय!
ये हैं डॉली सरदाना. छः महीने पहले खाना पकाते-पकाते एकाएक इनका हाथ गर्म होने लगा और वह इतना गर्म हो गया कि गैस के चूल्हे से आने वाली रबर पाइप इनके स्पर्श से ही गल गई और सिलेंडर फटने से हुए धमाके ने किचन की छत उड़ा दी!
लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि इनको रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुंचा! सिर्फ कुछ बाल जल गए थे।
हैल्लो sss
और ये हैं हफीज निसार! एक दिन सजदा करते वक्त इनका माथा इतना गर्म हो गया कि माथे से चिपका फर्श पिघल गया और इनका सिर उसमें फंस गया. फर्श का पत्थर काट कर इनको निकालना पड़ा; ऐसे और भी मरीज हैं...
अस्सलाम वालेकुम!

इनके अलावा कुछ और मरीज भी यहां आते रहते हैं, लेकिन ये तीन मेरे खास मरीज हैं। मेरे इलाज से इनको फायदा पहुंचा है, और इनसे मेरे शोध को।
क्या आप किसी ऐसे शख्स को जानते हैं जो आपकी तरह ही इस विषय का ज्ञान रखता हो? जो यह जानता हो कि इंसानों को चलते-फिरते बमों में किस तरह से बदला जा सकता है!
मेरे जितना ज्ञान तो सिर्फ मेरे गुरू और गाइड डॉक्टर डोलो को ही था, लेकिन ब्रिगेंजा की जांच करते-करते एक दिन वे खुद ही अपना पोस्टमार्टम करा बैठे!
अब तो बेचारे भगवान के पास हैं!
फिर तो मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचने के लिए मुझको ग्रेनेड के होश में आने का इंतजार करना पड़ेगा।
ये जल्दी होश में नहीं आएगा ध्रुव, ऐसी संरचना वाले लोग जब बेहोश होते हैं तो कोमा में चले जाते हैं।
फिर मैं कोई और रास्ता तलाश कर लूंगा! मास्टर ब्लास्टर तक तो मुझको पहुंचना ही पहुंचना है, और वह भी जल्दी!
मास्टर ब्लास्टर अपना जाल फैला रहा था–
शाबाश लांचर! कमाल कर दिया तूने। तू स्टम बम के सारे पुर्जों का जुगाड़ कर लाया! और साथ में ये जरा सा 'वेपन ग्रेड यूरेनियम' भी ले आया!
पर इतने जरा से यूरेनियम में सिर्फ 'टेस्टिंग' करने लायक बम ही बन पाएगा, बड़े बम के लिए कुछ और पुर्जों का जुगाड़ करना अभी बाकी है!
ये बम मुझको टेस्टिंग के लिए ही चाहिए था लांचर! ताकि मैं इसके अंदर होने वाले विस्फोट की क्रिया को समझ सकूं!
और फिर उस ज्ञान का प्रयोग इंसानों के अंदर यूरेनियम पैदा करके, उनको चलता-फिरता स्टम बम बनाने के लिए कर सकूं!

लेकिन... लेकिन तुम मेरे फॉर्म हाउस में ये सब क्यों कर रहे हो, मास्टर ब्लास्टर? अपने ठिकाने पर जाकर ये काम क्यों नहीं करते?
वह इसलिए क्योंकि अगर पुलिस को मेरी योजना की भनक लग भी गई तो भी वह मेरे फॉर्म पर आने से पहले दस बार सोचेगी!
वैसे भी पुलिस से निपटना तुम्हारा काम है!
मत भूलो कि अब तुम्हारा आदमी मेयर का पदभार संभाल रहा है। और ऐसा सिर्फ इसलिए हुआ है क्योंकि मैंने मेयर शांति दास को तुम्हारे रास्ते से हटा दिया है जयपाल सेठ।
उसके लिए तुम एक करोड़ रुपए ले चुके हो।
वह सिर्फ एडवांस था! असली फीस तो मैं तुमसे अब वसूल रहा हूं! मेरा काम पूरा होने तक मैं यहीं रहूंगा। अब कमरे में जाकर सो जाओ।
नींद आज कई आंखों से कोसों दूर थी-
हम पापा के ऑफिस में ढूंढ क्या रहे हैं रोहित?
उन लोगों के नाम जिनको पापा की ईमानदारी से नुकसान पहुंचा है! जिसको जितना ज्यादा नुकसान पहुंचा होगा, वह पापा का उतना ही बड़ा दुश्मन होगा।
ये देखो, मुझे कूड़े के डिब्बे में क्या मिला है, भइया!

ये किसी की चिठ्ठियां हैं! पापा तो किसी की भी चिठ्ठियां कूड़ेदान में ऐसे नहीं फेंकते थे।
मैं देखता हूं!
ये किसी 'जयपाल इंटर प्राइजेज' का लेटर है! जिसमें इसने कांट्रेक्ट पाने की प्रार्थना की है; और पापा ने इस पर 'करप्ट' यानी भ्रष्टाचारी लिखकर कूड़े में फेंक दिया है!
बाकी की चिठ्ठियां भी ऐसी ही हैं! यानी पापा इस जयपाल से इतना खफा थे कि उन्होंने उसकी चिठ्ठियों तक को फेंक दिया।
ऐसा आदमी बदला जरूर लेना चाहेगा।
चिठ्ठी में उसके घर और ऑफिस दोनों के ही फोन नंबर हैं, मैं घर पर फोन करके मिस्टर जयपाल के बारे में पूछता हूं।
हैलो, जयपाल जी से बात कराइए, मुझे उनसे एक बड़े कांट्रेक्ट के बारे में बात करनी थी।
अरे, हम साहब को कहां से बुलादें?
साहब तो दो दिन से फॉर्म हाऊस पर हैं। घर आए ही नहीं।
फॉर्म हाऊस का पता? हां लिखो! बताते हैं।
कुछ गड़बड़ जरूर है! जयपाल घर से गायब है! हमको उससे फॉर्म हाऊस पर जाकर मिलना होगा। उसका पापा के ऊपर हमले से जरूर कोई संबंध है।
हम भी तुम्हारे साथ चलेंगे!
चलो!
कैमरा और टेप रिकॉर्डर भी साथ ले चलते हैं।

फॉर्म हाऊस पर-
मिनी एटम बम तैयार हो गया है! इसकी टेस्टिंग कब करना चाहेंगे ?
अभी और यहीं पर! इस मूर्ख जयपाल के फॉर्म हाऊस पर बम को मंगाने और जोड़ने के पीछे एकमात्र कारण यही था कि हम अपने अड्डे को धमाके से उड़ाना नहीं चाहते हैं!
यही जानने के लिए मैं सोया नहीं था! लगातार तुम लोगों पर नजर गड़ाए हुए था!
मैं तुमको यहां पर बम का प्रयोग नहीं करने दूंगा! निकल जाओ यहां से!
अभी!
अगर जिन्दा बचना है तो यहां से फटाफट तू निकल जा! बम का धमाका होने से पहले! क्योंकि धमाका तो यहीं पर होगा!
तुम्हारा शक सही निकला भइया, जयपाल कुछ बुरे लोगों से मिला हुआ है!
फोटो खींचो! ये हमारा सबूत होगा जयपाल के खिलाफ

मैं एटॉमिक रिएक्शन चालू कर रहा हूं; ये प्रक्रिया दस मिनट बाद इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि विस्फोट हो जाए; यानी आपके पास प्रक्रिया को समझने के लिए सिर्फ आठ मिनटों का समय रहेगा! दो मिनट भागने के लिए भी तो चाहिए न।
ठीक है! प्रक्रिया चालू करो!
एटॉमिक प्रक्रिया चालू हो गई-
आप इस प्रक्रिया में क्या देख रहे हैं मास्टर? ये प्रक्रिया तो आपको किसी भी किताब में लिखी मिल जाएगी।
प्रक्रिया मुझको पता है, लांचर! पर अभी मेरा कंप्यूटर इस प्रक्रिया को समझ कर इस प्रक्रिया को उन हारमोनों से मैच कर रहा है, जो इंसानी शरीर में ये प्रक्रिया पैदा कर सकें!
ये प्रक्रिया तो अणुओं के टूटने से पैदा होती है. यानी आप ऐसे हारमोन ढूंढ रहे हैं जो इंसानी शरीर के अणुओं को तोड़कर उसमें छिपी ऊर्जा को आजाद कर सके, और इंसानों को चलता-फिरता एटम बम बना सके।
बिल्कुल सही समझा तू! और मेरा कंप्यूटर ऐसे हारमोनों को लगभग ढूंढ चुका है!
ऊपर कुछ बच्चे हमारी फोटो खींच रहे हैं, मास्टर!
भागो!
ये... ये आवाज कैसी थी?
जाकर पकड़ उनको वर्ना कल हमारी फोटो सारे अखबारों में छपी होंगी! मैं अभी यहां से हिल नहीं सकता!

इसको सीढ़ियों से ऊपर आने में समय लगेगा! तब तक हम छत के उसी रास्ते से बाहर निकल जाएंगे, जिससे हम रस्सी अटकाकर अंदर आए थे! आओ!
बच्चे ये नहीं जानते थे कि वे किस मुसीबत में फंस चुके हैं-
लांचर को ऊपर जाने के लिए सीढ़ियों की जरूरत नहीं थी-
तुम लांचर से बचकर भाग नहीं सकते, बच्चो!
क्योंकि लांचर अपने आप को दस मंजिलों की ऊंचाई तक लांच कर सकता है!
तीनों बच्चे तुरन्त वापस पलट गए-
इस कमरे में घुस जाओ!
हा हा हा! कमरे में घुसकर मुझसे बचोगे? अरे, ये लकड़ी का दरवाजा तो लांचर का एक धमाका भी सह नहीं पाएगा!
अरे! ये आवाज किसकी है?

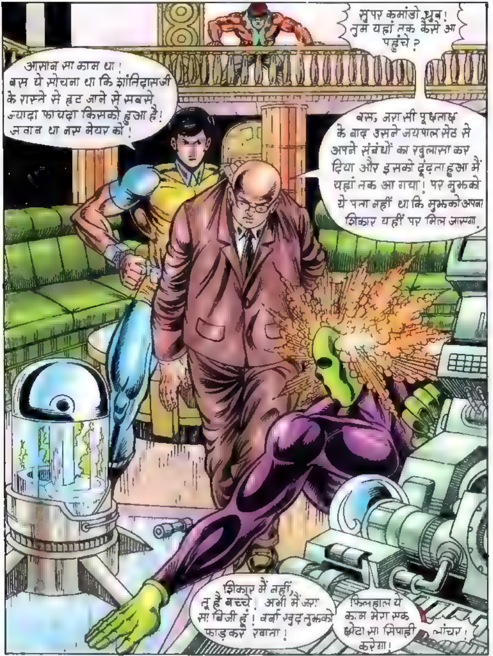
सुपर कमांडो ध्रुव! तुम यहां तक कैसे आ पहुंचे?
आसान सा काम था! बस ये सोचना था कि शांतिदासजी के रास्ते से हट जाने से सबसे ज्यादा फायदा किसको हुआ है! जवाब था नए मेयर को!
बस, जरा सी पूछताछ के बाद उसने जयपाल सेठ से अपने संबंधों का खुलासा कर दिया और इसको ढूंढ़ता हुआ मैं यहां तक आ गया! पर मुझको ये पता नहीं था कि मुझको अपना शिकार यहीं पर मिल जाएगा.
शिकार मैं नहीं, तू है बच्चे! अभी मैं जरा सा बिजी हूं! वर्ना खुद तुझको फाड़कर खाता!
फिलहाल ये काम मेरा एक छोटा सा सिपाही करेगा!
जांचर!

अगले ही पल ध्रुव को जयपाल से अलग हट जाना पड़ा-
ओफ़!
शाबाश लांचर! मेरा काम पूरा हो चुका है। मुझे जो जानकारी चाहिए थी वह मैंने इस डिस्क में भर ली है!
अब मैं जयपाल को लेकर बाहर जा रहा हूं! अभी इसके जरिए मुझे काफी काम करने हैं!
ओफ़! मास्टर ब्लास्टर भाग रहा है, लेकिन ये लांचर मेरा रास्ता रोके हुए है! मैं मास्टर ब्लास्टर के पीछे नहीं जा सकता!
तू ग्रेनेड को पकड़कर अपने आपको तीसमारखां समझ रहा है! लेकिन लांचर के पास जो विस्फोटक शक्तियां हैं, वे ग्रेनेड से एकदम अलग हैं!
इनसे तू नहीं बच सकता!

ओ गॉड! इसके शरीर पर लगे पाइप शायद इसके शरीर के अंदर तक धंसे हुए हैं! क्योंकि इसके पाइप के छेदों से मांस के बने हुए जीवित प्राणी पैदा हो रहे हैं। और उनके अंदर उड़ने की क्षमता भी है!
ये लांचर की जिन्दा मिसाइलें हैं कमांडो, ये तुझको देख सकती हैं, उड़कर तेरा पीछा कर सकती हैं!
धड़ाम
और पैदा होने के दस सेकंड बाद ये इतने शक्तिशाली विस्फोट के साथ फटते हैं कि ये जिसके आस-पास भी फटें उसके चिथड़े उड़ा दें!
बाहर क्या हो रहा है, रोहित?
पता नहीं! धमाकों की आवाजें आ रही हैं!
यानी लांचर अभी आसपास ही है! अभी बाहर निकलना सेफ नहीं है!

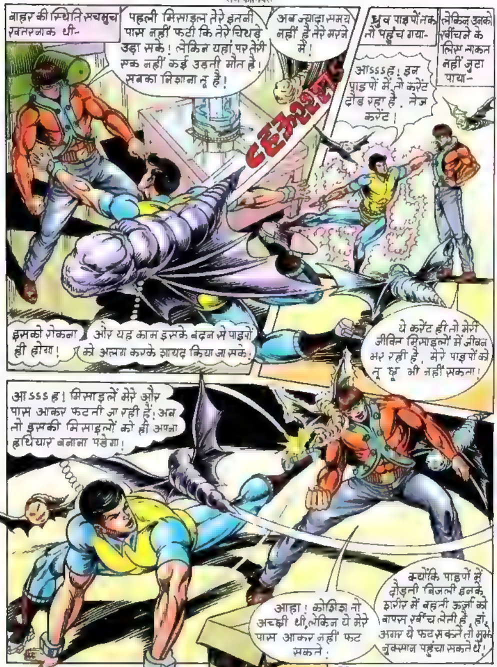
बाहर की स्थिति सचमुच खतरनाक थी-
पहली मिसाइल्स तेरे इतनी पास नहीं फटी कि तेरे चिथड़े उड़ा सके! लेकिन यहां पर तेरी एक नहीं कई उड़ती मौत हैं। सबका निशाना तू है!
अब ज्यादा समय नहीं है तेरे मरने में!
ध्रुव पाइपों तक तो पहुंच गया-
लेकिन उनको खींचने के लिए ताकत नहीं जुटा पाया-
आऽऽऽह! इन पाइपों में तो करेंट दौड़ रहा है. तेज करेंट!
ये करेंट ही तो मेरी जीवित मिसाइलों में जीवन भर रही है. मेरे पाइपों को तू छू भी नहीं सकता!
इसको रोकना ही होगा!
और यह काम इसके बदन से पाइपों को अलग करके शायद किया जा सके.
आऽऽऽह! मिसाइलें मेरे और पास आकर फटनी जा रही हैं! अब तो इसकी मिसाइलों को ही अपना हथियार बनाना पड़ेगा!
आहा! कोशिश तो अच्छी थी, लेकिन ये मेरे पास आकर नहीं फट सकते!
क्योंकि पाइपों में दौड़ती बिजली इनके शरीर में बहती ऊर्जा को वापस खींच लेती है. हां, अगर ये फट सकते तो मुझे नुकसान पहुंचा सकते थे!

तब तो तुम्हारी सलाह पर अमल करना ही पड़ेगा!
कागज का यह कार्टन मेरी मदद करेगा! इसमें जरूर मास्टर ब्लास्टर अपनी मशीन के पुर्जे भरकर लाया होगा! लेकिन अब इसमें मुझको...
...इन उड़ती मिसाइलों को भरना है! और इस काम के लिए मेरे पास सिर्फ तीन या चार सेकंड हैं! क्योंकि अब इनमें से कोई भी मिसाइल फट सकती है!
ध्रुव, मौत से खेल रहा था, किसी भी पल उस कार्टन के अंदर वह धमाका हो सकता था जो ध्रुव के चिथड़े उड़ा देता.
लेकिन ध्रुव ने मौत को ऐसे आवाज देकर खुद ही कई बार बुलाया था-
चार सेकंड बीतने में एक सेकंड का सिर्फ सौंवा हिस्सा बचा था-

लेकिन ध्रुव की गति, वक्त से भी तेज थी-
सेकंड का सौवां हिस्सा बीतने से पहले ही जीवित विस्फोटक मिसाइलों से भरा वह कार्टनलांचर के शरीर से टकरा चुका था-
धमाका ठीक वक्त पर हुआ-
और लांचर के शरीर में धंसे पाइपों के टुकड़े
अब बाहर निकलें ?
नहीं ! अभी-अभी बाहर एक बड़ा धमाका हुआ है !
आऽऽऽह ! ओऽऽऽह !
ये उधर इशारा क्यों कर रहा है ?
ओ गॉड ! ये... ये तो कोई विस्फोटक यंत्र लगता है !
और...और ये फटने वाला है !
मुझे इसको बचाना होगा।
ध्रुव ने लांचर को तो

लेकिन उसको यह पता नहीं था कि उस मकान में तीन नन्हीं जानें और भी हैं-
जो एक कमरे में बंद हैं-
ओह ! यह धमाका ज्यादा बड़ा नहीं था! मकान का सिर्फ एक हिस्सा ही तबाह हुआ है! लेकिन... लेकिन...
पीपपीप!
...ओऽऽऽह, मेरे कॉलर में लगा 'रेडियो एक्टिविटी सेंसर बटन' सिग्नल दे रहा है। यानी वातावरण में रेडियो एक्टिविटी फैल रही है मतलब ये धमाका एक एटॉमिक ब्लास्ट था! एक मिनी एटॉमिक ब्लास्ट.
यानी मास्टर ब्लास्टर अब अपनी ब्लास्टिंग पॉवर को एटॉमिक लेवल तक बढ़ाने की कोशिश कर रहा है!
उसको रोकना अब और भी जरूरी होता जा रहा है! खैर फिलहाल तो यहां से भागना होगा, ताकि रेडिएशन मुझे या लांचर को नुकसान न पहुंचा सके!
ध्रुव तो रेडिएशन के खतरे से बच गया था-
लेकिन रेडिएशन तो अपना असर दिखा चुका था-
जलते घर से बाहर निकल कर जमीन पर औंधे मुंह पड़ी वे तीन आकृतियां इसकी गवाह थीं-
लेकिन बदकिस्मती से इसका पता ध्रुव को नहीं था-

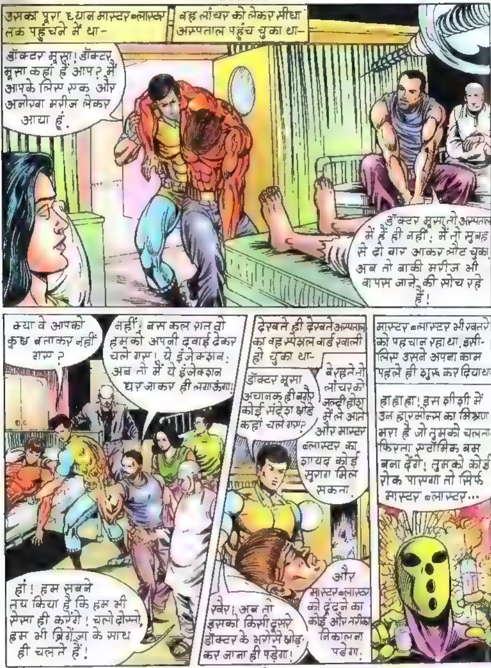

उसका पूरा ध्यान मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचने में था-
वह लॉचर को लेकर सीधा अस्पताल पहुंच चुका था-
डॉक्टर मूसा! डॉक्टर मूसा कहां हैं आप? मैं आपके लिए एक और अनोखा मरीज लेकर आया हूं.
डॉक्टर मूसा तो अस्पताल में हैं ही नहीं; मैं तो सुबह से दो बार आकर लौट चुका, अब तो बाकी मरीज भी वापस जाने की सोच रहे हैं!
क्या वे आपको कुछ बताकर नहीं गए?
नहीं! बस कल रात वो हमको अपनी दवाई देकर चले गए। ये इंजेक्शन; अब तो मैं ये इंजेक्शन घर जाकर ही लगाऊंगा!
हां! हम सबने तय किया है कि हम भी ऐसा ही करेंगे! चलो दोस्तो, हम भी ब्रिगेंज़ा के साथ ही चलते हैं!
देखते ही देखते अस्पताल का वह स्पेशल वार्ड खाली हो चुका था-
डॉक्टर मूसा अचानक ही बगैर कोई संदेश छोड़े कहां चले गए?
वे रहते तो लॉचर को जल्दी होश में ले आते और मास्टर ब्लास्टर का शायद कोई सुराग मिल सकता.
खैर! अब तो इसको किसी दूसरे डॉक्टर के भरोसे छोड़कर जाना ही पड़ेगा!
और मास्टर ब्लास्टर को ढूंढने का कोई और तरीका निकालना पड़ेगा.
मास्टर ब्लास्टर भी खतरे को पहचान रहा था, इसीलिए उसने अपना काम पहले ही शुरू कर दिया था-
हा हा हा! इस शीशी में उन हारमोन्स का मिश्रण भरा है जो तुमको चलता-फिरता एटॉमिक बम बना देंगे! तुमको कोई रोक पाएगा तो सिर्फ मास्टर ब्लास्टर...

और मास्टर ब्लास्टर याली मैं तुम सबको तभी रोकूंगा जब मैं अपनी मेहनत का पूरा मुआवजा राजनगर वासियों से वसूल लूंगा ! और वह मुआवजा होगा सौ करोड़ के करारे- करारे नोट।
अब-जाओ मेरे चलते-फिरते दस स्टम बमों और पूरे राजनगर में फैल जाओ। पहले मैं राजनगर को अपनी शक्ति का नमूना दिखाऊंगा और फिर सौदा करूंगा !
पुलिस हैडक्वार्टर, एक हाई सिक्योरिटी इलाका था-
सॉरी, मैडम ! आप पानी की ये बोतल या पर्स अंदर नहीं ले जा सकतीं...

...यहां पर जेब में माचिस तक लेकर अंदर नहीं आया जा सकता। कोई विस्फोटक ले आना तो दूर की बात है-
हां, कहिए! आपको किससे मिलना है?
आपे ऐंऐंऐंऐंच
आप कुछ बोलते क्यों नहीं, भाई?
तबियत तो ठीक है न?
अरे! अरे इसके... इसके मुंह से तो बिना सिगरेट के धुंआ निकल रहा है.
इसको क्या हो रहा है?
क्या हो रहा था, यह जानने का मौका पुलिस वालों को नहीं मिला-
COMPLAINT REGISTER
हा हा हा, काम हो गया अपना!
इस हादसे की जिम्मेवारी ले ली जाएगी.

इस हादसे की खबर धमाके की ही तरह पूरे देश में फैल गई-
आज की खास खबरों में सबसे पहले राजनगर पुलिस हैडक्वार्टर में हुए धमाके की खबर...
...एक रहस्यमय मानव बम के एटॉमिक धमाके ने पुलिस हैडक्वार्टर के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया है। इस हादसे में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। और वातावरण में फैले रेडिएशन से कई पुलिस वाले झुलस गए हैं। जिनमें से पन्द्रह की हालत गंभीर है! आ... अभी... अभी हमारे पास एक टेप आया है...
... इस टेप को उस शख्स ने भेजा है जिसने इस हमले की जिम्मेदारी ली है, ये टेप अब हम आपको दिखाते हैं!
स्टूडियो
राजनगर वासियों! मेरे चलते-फिरते एटॉमिक बम का एक नमूना तो तुम लोग देख चुके हो...
... ऐसे ही नौ और मानव एटॉमिक बम पूरे राजनगर में अलग-अलग स्थानों पर घूम रहे हैं! जो मेरे एक इशारे पर तबाही मचा सकते हैं! अगर राजनगर को इस तबाही से बचना है तो मुझे सौ करोड़ रुपयों की कीमत चुकानी पड़ेगी! पैसा कब, कैसे और कहां पहुंचाना है इसकी सूचना मैं सही वक्त पर म्युनिसिपल कमिश्नर को भेज दूंगा! तब तक डर से थर-थर कांपते रहो! और हां...
... राम की जगह मेरा नाम जपते रहो! मेरा नाम है... मास्टर ब्लास्टर!
हे भगवान! ये इस शैतान ने क्या कर डाला? इस तक जल्दी से जल्दी पहुंचना होगा! और फिलहाल इस तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता है...
... इसके दोनों आदमी लांचर और ग्रेनेड! शायद उनमें से कोई एक होश में आ गया हो!

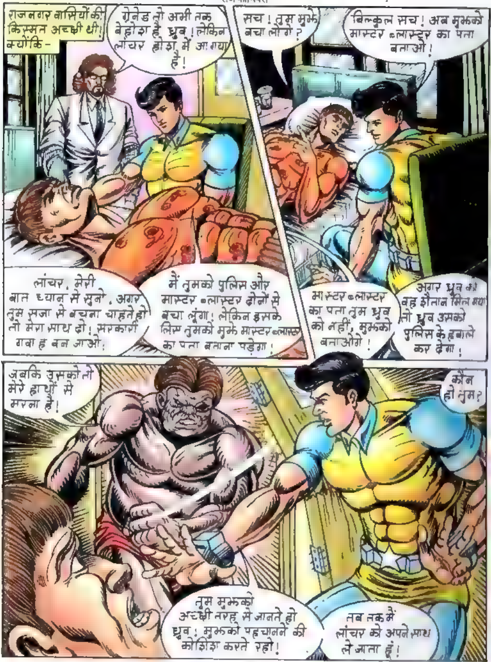
राजनगर वासियों की किस्मत अच्छी थी! क्योंकि –
ग्रेनेड तो अभी तक बेहोश है ध्रुव! लेकिन लांचर होश में आ गया है!
सच! तुम मुझे बचा लोगे?
बिल्कुल सच! अब मुझको मास्टर ब्लास्टर का पता बताओ!
लांचर, मेरी बात ध्यान से सुनो, अगर तुम सजा से बचना चाहते हो तो मेरा साथ दो! सरकारी गवाह बन जाओ!
मैं तुमको पुलिस और मास्टर ब्लास्टर दोनों से बचा लूंगा! लेकिन इसके लिए तुमको मुझे मास्टर ब्लास्टर का पता बताना पड़ेगा!
मास्टर ब्लास्टर का पता तुम ध्रुव को नहीं, मुझको बताओगे!
अगर ध्रुव को वह शैतान मिल गया तो ध्रुव उसको पुलिस के हवाले कर देगा!
जबकि उसको तो मेरे हाथों से मरना है!
कौन हो तुम?
तुम मुझको अच्छी तरह से जानते हो ध्रुव! मुझको पहचानने की कोशिश करते रहो!
तब तक मैं लांचर को अपने साथ ले जाता हूं!

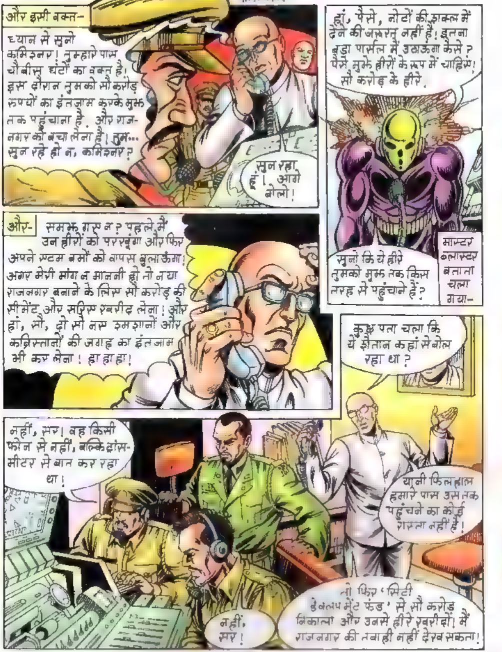
और इसी वक्त-
ध्यान से सुनो कमिश्नर! तुम्हारे पास चौबीस घंटों का वक्त है। इस दौरान तुमको सौ करोड़ रुपयों का इंतजाम करके मुझ तक पहुंचाना है, और राजनगर को बचा लेना है। तुम... सुन रहे हो न, कमिश्नर?
सुन रहा हूं। आगे बोलो!
हां, पैसे, नोटों की शक्ल में देने की जरूरत नहीं है। इतना बड़ा पार्सल मैं उठाऊंगा कैसे? पैसे मुझे हीरों के रूप में चाहिए! सौ करोड़ के हीरे.
मास्टर ब्लास्टर बताता चला गया-
सुनो कि ये हीरे तुमको मुझ तक किस तरह से पहुंचाने हैं?
और-
समझ गए न? पहले मैं उन हीरों को परखूंगा और फिर अपने एटम बमों को वापस बुलाऊंगा! अगर मेरी मांग न मानी तो नया राजनगर बनाने के लिए सौ करोड़ की सीमेंट और सरिए खरीद लेना! और हां, सौ, दो सौ नए श्मशानों और कब्रिस्तानों की जगह का इंतजाम भी कर लेना! हा हा हा!
कुछ पता चला कि ये शैतान कहां से बोल रहा था?
नहीं, सर! वह किसी फोन से नहीं, बल्कि ट्रांसमीटर से बात कर रहा था!
यानी फिलहाल हमारे पास उस तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है!
नहीं, सर!
तो फिर 'सिटी डेवलपमेंट फंड' से सौ करोड़ निकालो और उनसे हीरे खरीदो! मैं राजनगर की तबाही नहीं देख सकता!

हीरों के अलावा कुछ और भी मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचने वाला था-
रुक जाओ! तुम जो कोई भी हो, तुम लांचर को साथ नहीं ले जा सकते! क्योंकि अगर इसके जरिए तुमने मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचकर उसको मार दिया तो पूरा राजनगर तबाह हो जाएगा.
राजनगर तो ऐसे शैतान के जिन्दा रहने से तबाह होगा, मरने से नहीं!
गलत सोच रहे हो तुम! मास्टर ब्लास्टर ने पूरे राजनगर में मानव बमों को फैला रखा है! वे कौन हैं और कहां हैं इसका पता सिर्फ उसको ही है! अगर वह मर गया तो उन बमों को ढूंढ़ना असंभव हो जाएगा!
तुम हमारी शक्तियों को नहीं जानते! हम मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचकर उसको मानव बमों को वापस बुलाने पर मजबूर कर देंगे!
उसके बाद हम उसको उसकी मौत के हवाले करेंगे!
आऽऽऽह! इसका शरीर तो जैसे पत्थर का बना है। ऐसा लग रहा है जैसे मेरे जबड़े की हड्डी टूट गई हो!

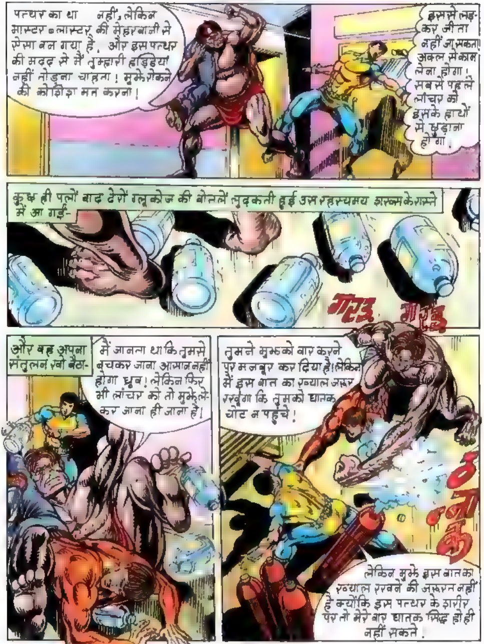
पत्थर का था नहीं, लेकिन मास्टर ब्लास्टर की मेहरबानी से ऐसा बन गया है, और इस पत्थर की मदद से मैं तुम्हारी हड्डियां नहीं तोड़ना चाहता! मुझे रोकने की कोशिश मत करना!
इससे लड़कर जीता नहीं जा सकता! अकल से काम लेना होगा। सबसे पहले लांचर को इसके हाथों से छुड़ाना होगा।
कुछ ही पलों बाद ढेरों ग्लूकोज की बोतलें लुढ़कती हुई उस रहस्यमय शख्स के रास्ते में आ गईं-
गड़ड़
गड़ड़
और वह अपना संतुलन खो बैठा-
मैं जानता था कि तुमसे बचकर जाना आसान नहीं होगा ध्रुव! लेकिन फिर भी लांचर को तो मुझे लेकर जाना ही जाना है!
तुमने मुझको वार करने पर मजबूर कर दिया है! लेकिन मैं इस बात का ख्याल जरूर रखूंगा कि तुमको घातक चोट न पहुंचे!
ठंनाक
लेकिन मुझे इस बात का ख्याल रखने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस पत्थर के शरीर पर तो मेरे वार घातक सिद्ध हो ही नहीं सकते।

इसके शरीर में अगर सचमुच चट्टान के ही गुण हैं तो मुझको वह तरीका समझ में आ गया है, जो इसको कुछ देर के लिए बेबस कर सकता है!
चट्टानें, धूप में जितनी जल्दी गर्म होती हैं...
...सूरज ढलते ही रात में उतनी जल्दी ठंडी भी हो जाती हैं। जल्दी गर्म और ठंडा होना चट्टानों का गुण है, और इस ऑक्सीजन सिलेंडर में भरी ऑक्सीजन जब अचानक बाहर निकलेगी तो जबरदस्त कूलिंग इफैक्ट पैदा होगा!
इसका शरीर अचानक ठंडा होकर कुछ मिनटों के लिए जड़ हो जाएगा!
और उतनी देर में...
...मैं इसको अस्पताल से बाहर कर दूंगा!

पत्थर का शरीर इसको घायल नहीं होने देगा। और इसके वापस आने तक मैं लांचर को लेकर निकल जाऊंगा.
पर ये शख्स है कौन? और मास्टर ब्लास्टर से इसकी क्या दुश्मनी हो सकती है.
खैर, फिलहाल तो लांचर को इस खतरे से दूर ले जाकर उससे मास्टर ब्लास्टर के ठिकाने के बारे में पूछता हूं...
ध्रुव!
अरे! लांचर कहां गया?
बचाओ! मुझे बचाओ, ध्रुव!
अब क्या मुसीबत आ गई?
एक और अजीब प्राणी और ये लांचर को किसी तरह के जाले से बांधकर अपने साथ ले जा रहा है।
ये अजीब प्राणियों की बाढ़ कहां से आ रही है?
प्राणियों की ये बाढ़ ध्रुव को उलझाए हुए थी-

और मास्टर ब्लास्टर का काम आसान होता जा रहा था-
सौ करोड़ के हीरे आ गए हैं, सर! लेकिन इसकी क्या गारंटी है कि इनको मिलने के बाद मास्टर ब्लास्टर मालव बमों को शहर से हटा लेगा?
कोई गारंटी नहीं है। लेकिन फिर भी हमको यह रिस्क लेना ही पड़ेगा। अब तो बस, उसके फोन का इंतजार करना है।
मास्टर ब्लास्टर को रोकने का एक ही तरीका था! समय रहते उसको ढूंढ निकालने का। और यह काम सिर्फ लांचर की मदद से ही किया जा सकता था-
अद्भुत जाले हैं इसके! मेरे स्टार ब्लेड्स तक इसको काट नहीं पा रहे हैं! और यह छिपकली की तरह दीवार पर चलता हुआ लांचर को खींचता हुआ ले जा रहा है!
इसको रोकना होगा!
स्टार लाइन ने चैनेल गेट में फंसकर उसको बंद कर दिया-
और लांचर का शरीर उसमें फंसकर रह गया-
अह!
इससे पहले कि वह अजीब प्राणी कोई कदम उठा पाता-

जाले उसके हाथ से छूट चुके थे, और उसका शरीर दीवार से नीचे आ चुका था-
आऽऽऽह! तुम लांचर को मुझसे नहीं बचा पाओगे ध्रुव.
लांचर को तो तुम लोग किसी भी कीमत पर यहां से नहीं ले जा सकते!
पर अब मुझको यह बताओ कि तुम और तुम्हारा साथी मास्टर ब्लास्टर के पीछे क्यों पड़े हुए हो! क्या बिगाड़ा है उसने तुम्हारा?
ये तो तुमको पता चल ही जाएगा! क्योंकि मास्टर ब्लास्टर को मारकर जब हम वापस आएंगे तो तुम हमको यहीं पर मिलोगे, मेरे जालों में बंधे हुए! इस जाल को मेरे अलावा और कोई नहीं काट सकता!
तो फिर इस जाल को तुम ही काटना!
ध्रुव के रोलर स्केट्स बाहर निकल आए और ध्रुव का शरीर उस प्राणी के चारों तरफ घूमने लगा-
और उस प्राणी का शरीर अपने ही जालों में लिपटने लगा-
अब तुम अपने आपको आजाद करने रहो! मैं तो लांचर को लेकर चला यहां से!
मुझे पता था कि मैं तुमसे जीत नहीं पाऊंगा, ध्रुव भइया!

ध्रुव भइया! इस नाम से तो मुझे पिंटू बुलाया करता है! मेयर शांति दास जी का छोटा बेटा!
हां, ध्रुव भइया! मैं पिंटू हूं! आपने जिसको नीचे गिराया है वह रोहित भइया है!
यानी तुम... तुम पिंटू हो!
हम लोग मास्टर ब्लास्टर को ढूंढते हुए जय पाल के घर गए थे! वहां पर मास्टर ब्लास्टर एक मिनी एटम बम की टेस्टिंग कर रहा था! हमने उसकी बातें टेप की और फोटोग्राफ्स भी खींचे, तभी उसके एक आदमी लांचर ने हमको देख लिया और हम भागकर एक कमरे में छिप गए! उसके बाद एक बड़ा सा धमाका हुआ, हमको चक्कर आने लगे और हम भागकर मकान के बाहर आकर बेहोश होकर गिर गए!
रोहित, तुम... तुम लोगों का यह हाल कैसे हुआ?
और जब हमको होश आया तो हमारी यह हालत हो चुकी थी!
ध्रुव को बातों में लगाए रखने के लिए थैंक्यू, पिंटू!
ओह! तुमने मेरा ध्यान बंटाया पिंटू! रुक जाओ रश्मि! मास्टर ब्लास्टर से तुम ऐसे जीत नहीं सकती!
डोंट मेंशन इट दीदी!
ध्रुव ने रश्मि का पीछा करने की कोशिश तो करी-

लेकिन एटॉमिक रेडिएशन के कारण 'म्यूटेंट' बन चुकी रश्मि के उड़ने की गति ध्रुव से कहीं ज्यादा थी-
देखते ही देखते रश्मि, ध्रुव की आंखों से ओझल हो चुकी थी-
ओफ! आखिरकार लांचर हाथ से निकल ही गया। और मुझे पता है कि रोहिन और पिंटू भी अब मुझको अस्पताल में नहीं मिलेंगे!
मुझको वापस जयपाल के फॉर्म हाऊस में जाकर छानबीन करनी चाहिए! शायद वहां पर मुझको मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचने का जरिया मिल जाए.
फॉर्म हाऊस में-
रेडिएशन का असर कम हो गया है, लेकिन अभी भी मैं ज्यादा देर तक यहां रुकने का खतरा मोल नहीं ले सकता! वैसे पुलिस यहां की तलाशी ले चुकी है, और उसने पूरा घर सील भी कर दिया है. अब मुझे यहां पर शायद ही कुछ मिले! ओsss
ये दस्ताना, ये तो मास्टर ब्लास्टर के हाथों में था.
जयपाल को उठाते वक्त ये उसके हाथ से गिर गया होगा.
ये सूंघो दोस्तो, और सारे शहर में फैलकर इस महक वाले आदमी की तलाश करो.
तब तक मैं मास्टर ब्लास्टर द्वारा मांगी गई फिरौती का पता करता हूं.

मास्टर ब्लास्टर ने अपनी योजना का अंतिम चरण शुरू कर दिया था-
मुझे यह जानकर खुशी हुई कि तुमको राजनगर से बेइन्तहा प्यार है। अब ध्यान से सुनो। तुमको हीरे एक स्पेशल टाइट ब्रीफकेस में रखकर गांधी पुल के ऊपर से विसार नदी के बीचों-बीच फेंक देने हैं।
समझ गया।
लेकिन ध्यान रखना कि न तो ब्रीफकेस में कोई ट्रेकिंग यंत्र लगा हो और न ही कोई सूटकेस का पीछा करने की कोशिश करे। अगर ऐसा हुआ तो राजनगर में एक साथ नौ एटॉमिक धमाके हो जाएंगे। अरे हाँ, समय बताना तो मैं भूल ही गया।
ब्रीफकेस को शाम के ठीक छः बजकर पंच मिनट पर नदी में फेंकना।
बाय!
हम ब्रीफकेस का पीछा करके मास्टर ब्लास्टर तक पहुंच सकते हैं!
तुमने शायद ध्यान से सुना नहीं ध्रुव। मास्टर ब्लास्टर ने ऐसा करने पर मानव बमों को फोड़ देने की धमकी दी है।
चिन्ता मत कीजिए, कमिश्नर साहब। पीछा इस तरह से होगा कि मास्टर ब्लास्टर को खबर होगी ही नहीं!
और शाम को- विसार नदी के ऊपर गांधी पुल पर-
छः बजकर पंच मिनट होने ही वाले हैं। छप्पन, सत्तावन, अठावन उनसठ...

...साठ!
ब्रीफकेस, हवा में तेजी से नीचे उतरता हुआ-
नदी की लहरों में समाता चला गया-
एकदम राइट टाईम पर।
अब मैं इस ब्रीफकेस को लेकर पानी से बाहर कहां निकलूंगा, यह कोई नहीं जान सकता।...
...क्योंकि कोई भी इतनी लंबी नदी के तट पर लगातार नजर नहीं रख सकता!
अब पानी से बाहर निकलने के बाद...
...सबसे पहले मुझको हीरे चेक करने हैं। हीरे हैं! तू करोड़पतियों का करोड़पति बन गया है मास्टर।
नहीं, नहीं! अभी नहीं! अभी इन हीरों की असलियत भी तो परखनी है! जल्दी से जल्दी अपने अड्डे पर पहुंचना होगा।
बधाई हो! बधाई हो!

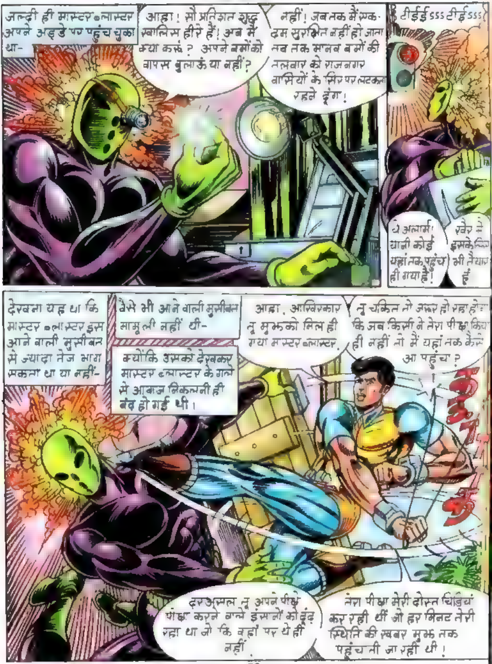
जल्दी ही मास्टर ब्लास्टर अपने अड्डे पर पहुंच चुका था-
आहा! सौ प्रतिशत शुद्ध खालिस हीरे हैं! अब मैं क्या करूं? अपने बमों को वापस बुलाऊं या नहीं?
नहीं! जब तक मैं एक-दम सुरक्षित नहीं हो जाता तब तक मानव बमों की तलवार को राजनगर वासियों के सिर पर लटकता रहने दूंगा!
टीईई sss टीईई sss
ये अलार्म! यानी कोई यहां तक पहुंच ही गया है!
खैर मैं इसके लिए भी तैयार हूं
देखना यह था कि मास्टर ब्लास्टर इस आने वाली मुसीबत से ज्यादा तेज भाग सकता था या नहीं-
वैसे भी आने वाली मुसीबत मामूली नहीं थी-
क्योंकि उसको देखकर मास्टर ब्लास्टर के गले से आवाज निकलनी ही बंद हो गई थी।
आहा, आखिरकार तू मुझको मिल ही गया मास्टर ब्लास्टर,
तू चकित तो जरूर हो रहा होगा कि जब किसी ने तेरा पीछा किया ही नहीं तो मैं यहां तक कैसे आ पहुंचा?
दरअसल तू अपने पीछे पीछा करने वाले इंसानों को ढूंढ रहा था जो कि वहां पर थे ही नहीं.
तेरा पीछा मेरी दोस्त चिड़ियां कर रही थीं जो हर मिनट तेरी स्थिति की खबर मुझ तक पहुंचाती जा रही थी!

इस तरह मैं तुम्हारे अड्डे तक तो पहुंच गया। लेकिन लगता है कि मुझे पहुंचने में थोड़ी सी देर हो गई है! तुमने हीरों से भरे ब्रीफकेस को कहीं पर छुपा दिया है। बताओ कहां पर है राजनगरवासियों के खून-पसीने से कमाई गई अमानत। कहां हैं वे सौ करोड़ के हीरे?
ध्रुव के दो-चार वारों से मास्टर ब्लास्टर की जुबान शायद खुल जाती-
धड़ाक
अगर मास्टर ब्लास्टर की मौत उसको ढूंढ़ती हुई वहां पर न आ जाती-
रोहित, रश्मि, पिंटू! तुम लोग यहां तक कैसे आ गए? अरे समझा! जरूर लांचर ने तुमको यहां का पता बताया होगा!
लांचर ने पता बताया तो था, लेकिन कहीं और का! मास्टर ब्लास्टर वहां पर नहीं था! उसके बाद हम पूरे शहर में सिर्फ तुम्हारी तलाश कर रहे थे! हमको पता था कि और कोई मास्टर ब्लास्टर तक पहुंचे या न पहुंचे, पर तुम उसको जरूर ढूंढ़ निकालोगे!
मैंने इसको इसलिए नहीं ढूंढा है ताकि तुम इसको मार सको!
अगर तुम ऐसी कोशिश करोगे तो तुमको मुझसे टकराना पड़ेगा।

घबराओ मत, ध्रुव. हम इसको मारेंगे नहीं! सिर्फ इसको उसी हालत में छोड़ेंगे जिस हालत में इसने हमारे पापा को छोड़ा है!
अगर ये उस हालत मे पहुंच गया तो फिर हमको उन मानव बमों का पता कौन बताएगा, जिनको इसने राजनगर में छोड़ रखा है!
और अस्पताल में-
मेयर शांतिदास के कमरे में-
सॉरी, सर! घर पर कोई फोन नहीं उठा रहा है!
यानी बच्चे घर पर नहीं हैं! फिर...फिर कहां गए होंगे वे?
मैंने आखिरी बार उनको इसी अस्पताल में देखा था, सर.
यहां पर; तो फिर वे जरूर यहीं पर हैं! म... मैं उनको ढूंढूंगा!
आ... आप अभी कमजोर हैं सर; बड़ी मुश्किल से तो आप होश में आए हैं! आप अभी भी खतरे से बाहर नहीं हैं!
कुछ भी हो; मैं... मैं उनको ढूंढूंगा; चलो मेरे साथ!
कहीं मुझ पर हमला करने वाले ने मेरे बच्चों पर भी हमला न किया हो!
लड़खड़ाते पैरों से मेयर शांतिदास ने अस्पताल के कई कोने छान मारे-
इस दरवाज़े के पीछे से आवाज़ें कैसी आ रही हैं?
दरवाजा तो लॉक है! कहीं मेरे बच्चे इसी के अंदर तो नहीं हैं?
चाबी मंगवाने का वक्त नहीं है; मैं दरवाजा तोड़ता हूं सर.
दरवाजा खुला! लेकिन बच्चे अंदर नहीं थे-
डॉक्टर मूसा! आप यहां पर?
उफ्फ

मेयर शांतिदास के बच्चे यहाँ पर थे-
लो ध्रुव भइया, हमारा काम तो हो गया! हमने इसकी सत्तर परसेंट हड्डियां तोड़ दी हैं! हिसाब बराबर हो गया!
अब तुम इसका जो चाहे वो करो!
अब मैं इसका क्या करूं? अब कौन बताएगा कि हीरे कहां पर छुपे हुए हैं, और मानव बम राजनगर में कहां-कहां पर फैले हुए हैं?
पहले इसकी शक्ल देखना हूं... अरे! ये... ये तो ब्रिगेंजा है!
ब्रिगेंजा कौन है?
डॉक्टर मूसा का एक मरीज! अब मैं समझ गया कि मानव बम इसको कहां पर मिलेंगे!
करीम, तुरन्त डॉक्टर मूसा के सभी पेशेंट्स का हुलिया पता करके पुलिस हेडक्वार्टर भेज दो! वे सभी मानव एटम बम हैं! वे जहां पर भी दिखें उनको बेहोशी की डार्ट मारकर पकड़ा जाए!
पर तुमको कैसे पता चला कि वे मानव बम डॉक्टर मूसा के पेशेंट्स हैं?
वह इसलिए क्योंकि मास्टर ब्लास्टर ब्रिगेंजा है, डॉक्टर मूसा का एक मरीज और इतनी जल्दी दस मानव बमों को बनाने के लिए वह सिर्फ दूसरे मरीजों का ही इस्तेमाल कर सकता था। क्योंकि वे सब उस पर भरोसा करते थे।
लो, मेरे दोस्त कुत्ते भी मास्टर ब्लास्टर को ढूंढते हुए यहां तक आ गए!
भौं भौं भौं!
भौं भौं भौं!
कुत्ते ने जो कुछ भी कहा उसको सुनकर ध्रुव की भौंवें सिकुड़ती चली गईं-

ध्रुव द्वारा कमांडो हैडक्वार्टर तक पहुंचाई गई सूचना पुलिस हैडक्वार्टर और डॉक्टर मूसा तक भी पहुंच गई थी-
और ऐसे ब्रिगेंजा ने मुझको बेबस करके बंद कर दिया। वह जानता था कि उसका प्लान सिर्फ मैं ही फेल कर सकता हूं। मुझसे चुराई गई जानकारी का उसने गलत इस्तेमाल किया! असली अपराधी तो मैं ही हूं!
एक तरीके से आप सही कह रहे हैं डॉक्टर मूसा!
अब ये भी बता दीजिए कि हीरे आपने कहां पर छुपाकर रखे हैं?
ध्रुव! तुम... तुम आ गए? पर आते ही तुम ये कैसा मज़ाक करने लगे?
मजाक मैं कर सकता हूं! लेकिन मेरे दोस्त कुत्ते नहीं!
जो मास्टर ब्लास्टर की गंध सूंघते हुए तुम तक पहुंच गए हैं! इनसे ही मुझको पता चला कि ब्रिगेंजा सिर्फ एक धोखा था। उसके शरीर की गंध मास्टर ब्लास्टर के शरीर की गंध नहीं थी! पर तुम्हारी है!
अब झूठ बोलना बेकार लगता है! हां, मैं ही हूं मास्टर ब्लास्टर! मैंने उस मकान में ब्रिगेंजा को जड़ी का इंजेक्शन देकर पहले से ही मास्टर ब्लास्टर बनाकर बैठा दिया था! ताकि जब असली मास्टर ब्लास्टर, यानी मैं हीरों भरा ब्रीफकेस लेकर वहां से निकल जाऊं तो भी वहां पर पहुंचने वाले को नकली मास्टर ब्लास्टर मिल जाए!
अब रास्ता छोड़ दो मेरा! वर्ना मानव एटम बमों को फोड़-फोड़कर मैं राजनगर को तबाह कर दूंगा!
ऐसा मत करना! ऐसा करके तुम सबसे पहले...
...अपने आपको तबाह कर लोगे! क्योंकि तुम्हारे सारे मानव बम बगल वाले कमरे में सो रहे हैं!
तूने मुझे बरबाद कर दिया ध्रुव! पर बचेगा तू भी नहीं!
तुम भी भागकर नहीं बचोगे मास्टर ब्लास्टर मूसा!

अब सिर्फ मास्टर ब्लास्टर ही बचेगा! और कोई नहीं!
ओह! मूसा तो मास्टर ब्लास्टर बनकर तुरन्त बाहर आ गया! और इसने इंस्पेक्टर को घायल भी कर दिया है!
अब बारी तुम्हारी है ध्रुव!
मुझे मारने से पहले यह तो बता दो कि जब तुम ही मास्टर ब्लास्टर हो तो तुमने शांतिदास को अस्पताल में खत्म करने की चेष्टा क्यों नहीं की?
और ग्रेनेड तथा लांचर को होश में ले आकर भगा क्यों नहीं दिया?
वह इसलिए क्योंकि मैं ऐसा कोई काम नहीं करना चाहता था जिससे मेरा मुख्य अड्डा यानी ये अस्पताल शक के दायरे में आ जाए!
क्योंकि मैं अपना सारा ध्यान अपने मुख्य प्रोजेक्ट यानी राजनगर से सौ करोड़ रुपए वसूलने में लगाना चाहता था!
लेकिन अब मेरा प्रोजेक्ट बदल गया है! मेरा नया प्रोजेक्ट है तुझे एक दर्दनाक मौत देना! देख मास्टर ब्लास्टर की पॉवर को!
मेरी ये किरणें तेरे शरीर में वे हारमोन्स पैदा करेंगी जिनके कारण इंसानी शरीर अपने अंदर ही आग को पैदा करने लगता है, और जलकर खाक हो जाता है!
और शरीर जलता है उसमें मौजूद ऑक्सीजन के कारण! देख तेरे फेफड़ों में मौजूद ऑक्सीजन में आग लग रही है! अब जल्दी ही ये आग तेरे पूरे शरीर में अंदर ही अंदर फैल जाएगी और तू राख बन जाएगा!
हमारे रहते तू ध्रुव भइया को कुछ नहीं कर सकता शैतान!

आऽऽऽह! तुम लोगों की शक्तियों का कारण मुझे पता है। तुम लोगों का यह हाल रेडियेशन की अधिक मात्रा के कारण हुआ है। मैं तुम्हारे शरीर में ऐसे हारमोन्स पैदा कर दूंगा जो रेडियो एक्टिविटी की किरणों को सोखकर नष्ट कर देते हैं।
ऐसा होने से तुम फिर से सामान्य रूप में आ जाओगे और इस रूप में तुम मेरे सामने पलभर भी नहीं टिक पाओगे।
रोहित! रश्मि! पिंटू! तू वाकई में... खौं... खौं... शैतान है मूसा!
शैतान न होता तो तुझे ऐसी अपमानजनक मौत कैसे दे पाता! मर ध्रुव! तिल-तिल करके मर!
आऽऽऽह! सारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन के अणु जल रहे हैं!
शरीर की जलन बढ़ती जा रही है! जल्दी ही मेरा शरीर लपटों में घिर जाएगा!
इस स्थिति से बचने का एक ही तरीका है! इन किरणों को रोकना! पर ये होगा कैसे?
ये ऑक्सीजन मॉस्क! ये ऑक्सीजन के सिलेंडर से जुड़ा हुआ भी है!
ये शायद मुझको जिन्दा रख सके!
हा हा हा! तू बिना पानी की मछली की तरह तड़प रहा है ध्रुव! कर ले, कोशिश कर ले! ये ऑक्सीजन शायद तुझको कुछ पलों के लिए और जिन्दा रख सके!
ये ऑक्सीजन में जिन्दा रहने के लिए नहीं...

...बल्कि तुझे अधमरा करने के लिए लगा रहा हूं!
ध्रुव के मुंह से होती हुई आग, पाईप के चिथड़े उड़ाती हुई सिलेंडर तक पहुंची! सिलेंडर फट पड़ा-
और मास्टर ब्लास्टर इस ब्लास्ट से नहीं बच पाया-
बड़ाााााम
ब्लास्ट से खेलने वाले के अपराध जीवन को एक ब्लास्ट ने ही खत्म कर दिया था-
और फिर-
वी आर सॉरी ध्रुव भइया! आपने दिखा दिया कि सच्ची ताकत सच्चाई में ही होती है! किस्मत ने हमको शक्तियां दे दीं और उन शक्तियों की मदद से हमने अपना मकसद भी पूरा करना चाहा!
लेकिन मकसद को पूरा किया आपकी सच की शक्ति ने!
सही कहा मेरे बच्चों! हमेशा याद रखना कि सच्चाई हीरा है और बुराई तलवार! तलवार लाख कोशिश कर ले पर वह हीरे पर खरोंच भी नहीं मार सकती!

समाप्त